

रीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्य जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
२४३/१४	<p>वकील गरी के गठ जदिये विद्वाने शगारिद मरहू मर उफउद पेस मरती के पगार मार पेस डरी वकील गरी के उफउद मर गरी मर मूख उफउद पउ पेस किज कि उमर मरगत के उमर मर वारी मर देरान के मुक्त है। वकील गरी मरिगारि फोन खेरे नि उमर के खेरे वारीगत नही है। उफउद करत पसकारत एक ही परिवार के खेरे नि आदिक उमिरा नि बगरे के लिखे उमर उमर के करे नही उमर उमर है। गठ जदिये विद्वाने शगारिद मर मर। उफउद मर मूख उफउद पउ कर कि है।</p> <p>वकील गरी मर गठ जदिये विद्वाने शगारिद किज मर है। पगार मर कोरत मुक्त खेरे मर मर नि मर है। गठ वकील मर मर मरिद पकर लेखे। मर मर मर है।</p>	